देश का विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

लखनऊ | वर्ष-06, अंक-232| शुक्रवार 17 जून 2022 | कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

आरजीसीआईआरसी और प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद ने कैंसर जेनेटिक्स और स्तन कैंसर के शीघ्र निदान पर सीएमई के लिए किया सहयोग

भास्कर समाचार सेवा

मुरादाबाद। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के सहयोग से शुक्रवार को मुरादाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए, जहाँ कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श हुआ।सीएमई में दो अत्यंत प्रासंगिक सत्र शामिल थे: कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका, तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। ये सत्र आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के कंसल्टेंट (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी,

रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवा आबादी में, को देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। आरजीसीआईआरसी ने मुरादाबाद के चिकित्सा समुदाय की उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया और देशभर के चिकित्सकों को निरंतर शैक्षणिक पहलों के माध्यम से समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

अमर उजाला

जीन परिवर्तन से कैंसर का खतरा बढ़ा

कैंसर आनुवांशिकी पर बोले आरजीसीआई के डॉक्टर, माता-पिता से संतान में जाने का खतरा

अमर उजाला ब्यूरो

गार्जियस गर्ल्स ग्रुप और प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीएमई में शामिल डॉक्टर। संवाद

मुरादाबाद। कैंसर आनुवांशिकी का मतलब है उन जीन परिवर्तनों का अध्ययन करना जिनके कारण कोशिकाएं अनियंत्रित होकर कैंसर का रूप ले लेती हैं। इसमें कोशिकाओं की सामान्य वृद्धि और विभाजन को नियंत्रित करने के उपाय भी शामिल हैं। जीन परिवर्तन के कारण माता-पिता से संतान में कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

यह बात राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट के डॉ. कपिल गोयल ने शुक्रवार को आयोजित सीएमई में कही। सीएमई का आयोजन गार्जियस गर्ल्स ग्रुप और प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से रामगंगा विहार स्थित एक होटल में किया गया। डॉ. कपिल ने कहा कि बीआरसीए-1/2 जैसे जीन उत्परिवर्तन से कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ता है, लेकिन यह निश्चित नहीं है कि कैंसर होगा ही। आनुवंशिक परीक्षण से जोखिम का पता लगाकर समय से उपचार दिया जा सकता है। जल्द जांच से समय पर निदान और रोकथाम में मदद मिलती है।

राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट से आई डॉ. गरिमा डागा ने स्तन कैंसर पर बात की। उन्होंने इस कैंसर में प्रारंभिक जांच के फायदों पर बात की। स्तन कैंसर की शुरुआती जांच से कैंसर का जल्दी पता लगता है और उपचार आसान हो जाता है। समय रहते लम्पेक्टोमी, कीमोथेरेपी से बचाव संभव होता है और जीवन की उम्मीद बढ़ती है। इससे मानसिक तनाव भी कम होता है और पूरी तरह ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है। सीएमई में पीपीटी के जरिए जल्द जांच के बाद उपचार शुरू होने से ठीक हुए मरीजों की केस स्टडी भी दिखाई गई। सीएमई की अध्यक्षता डॉ. अर्चना अग्रवाल ने की। चेयरपर्सन डॉ. अल्का गुप्ता ने सभी अतिथि डॉक्टरों का स्वागत किया। संचालन डॉ. शाजिया मोनिस ने किया और डॉ. प्रमिला गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर डॉ. बीके दत्त, डॉ. विनय गुप्ता, डॉ. अमित, डॉ. अरविंद, डॉ. सीपी सिंह, डॉ. गिरजेश केन, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. रेखा, डॉ. प्राप्ति, डॉ. प्रगति, डॉ. ऋतिका आदि मौजूद रहे।

आज

कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा

मुरादाबाद- आर जी सी आई आर सी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के सहयोग से शुक्रवार को मुरादाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए, जहाँ कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श हुआ।सीएमई में दो अत्यंत प्रासंगिक सत्र शामिल थे- कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका, तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। ये सत्र आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के कंसल्टेंट (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी, रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवा आबादी में, को देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वास्तविक-जीवन की चुनौतियों और जेनेटिक्स तथा त्वरित स्तन कैंसर मूल्यांकन को नियमित अभ्यास में शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। इस सीएमई ने बहुविषयक सहयोग के महत्व और क्षेत्रभर में कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने हेतु निरंतर चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

सीएमई : फेफड़ों के कैंसर का कहर बरपा रहा वायु प्रदूषण

आयोजन

मुरादाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। काफी लंबे अरसे से राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर के कई इलाके खतरनाक वायु प्रदूषण की गिरफ्त में हैं। इधर, मुरादाबाद की हवा भी कई बार स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से खराब साबित हो रही है। वायु प्रदूषण यानि जहरीली हवा सेहत पर गंभीर समस्या की शक्ल में सामने आ रही है। फेफड़ों के कैंसर का कहर काफी तेजी से बढ़ रहा है। यह बात प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शुक्रवार को आयोजित हुई सीएमई में कही गई।

शुक्रवार की रात रामगंगा विहार में हाई स्ट्रीट स्थित मोती महल पर आयोजित सीएमई (सतत चिकित्सा शिक्षा गोष्ठी) में दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर संस्थान के विशेषज्ञ डॉ. कपिल गोयल ने बताया कि उत्तर भारत में फेफड़ों के कैंसर से जुड़े मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। जहरीली एवं प्रदूषित हवा इसका एक प्रमुख कारण बन रही है। खांसी, सांस फूलने के साथ अगर

रामगंगा विहार स्थित मोतीमहल में शुक्रवार को प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीएमई में अतिथियों को सम्मानित करते चिकित्सक। • हिन्दुस्तान

वजन घटता महसूस हो तो कैंसर को लेकर सतर्क होने की जरूरत है। इस स्थिति में तत्काल कैंसर की जांच कराना जरूरी है। डॉ.कपिल गोयल ने बताया कि पिछले कुछ समय से परिवार में किसी सदस्य के कैंसर से पीड़ित होने पर अन्य सदस्यों में भी इसका खतरा बढ़ने की बात सामने आ रही है। कैंसर के दस फीसदी से अधिक मामलों में आनुवांशिकता सामने आ रही है। जिसके चलते परिवार में किसी सदस्य के कैंसर से पीड़ित होने की स्थिति में अन्य सदस्यों के नियमित परीक्षण होते रहने की जरूरत बढ़ गई है। जेनेटिक टेस्टिंग और काउंसिलिंग को अब ज्यादा जरूरी माना जा रहा है।

दिल्ली से आईं कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ.गरिमा डागा ने महिलाओं से संबंधित कैंसर रोग के कारण, इलाज और बचाव के बारे में जानकारी दी। ब्रेस्ट, सर्वाइकल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ने के मद्देनजर जांच कराने के लिए महिलाओं में जागरूकता बढ़ाए जाने की जरूरत बताई। सीएमई की अध्यक्षता प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ.अर्चना अग्रवाल ने की। संचालन साइंटिफिक कोआर्डिनेटर डॉ.शाजिया मोनिस ने किया। डॉ.प्रोमिला गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

10 फीसदी से ज्यादा कैंसर के मामलों में आनुवांशिकता सामने आ रही

व्याख्यान के बाद डॉक्टर्स ने खेले गेम्स

मुरादाबाद। सीएमई के लिए इकट्ठा हुए प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने विशेषज्ञों के व्याख्यान संपन्न होने के बाद हाऊजी आदि मनोरंजक गेम्स में भाग लिया। डॉ.विजय अग्रवाल, डॉ.सीपी सिंह, डॉ.विनय गुप्ता, डॉ.अमित, डॉ.अरविंद, डॉ.बीके दत्त, डॉ.गिरजेश कैन, डॉ.रेखा, डॉ.प्राप्ति, डॉ.प्रगति, डॉ.रीतिका, डॉ.सुरभि, सीमा, सरिता, शिवांगी आदि मौजूद रहे।

Simultaneously published from + Guwahati (Assam) + Dehradun (Uttarakhand) + Lucknow + Varanasi (Uttar Pradesh) + Bhopal (Madhya Pradesh) + Delhi
(A Rising India Group Publication)
निष्पक्ष समाचार ज्योति
(हिन्दी दैनिक)

आरजीसीआईआरसी और प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद ने कैंसर जेनेटिक्स और स्तन कैंसर के शीघ्र निदान पर सीएमई के लिए किया सहयोग

मुरादाबाद। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के सहयोग से शुक्रवार को मुरादाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए, जहाँ कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श हुआ।सीएमई में दो अत्यंत प्रासंगिक सत्र शामिल थे- कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका, तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। ये सत्र

आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के कंसल्टेंट (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी, रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवा आबादी में, को देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वास्तविक-जीवन की चुनौतियों और जेनेटिक्स तथा त्वरित स्तन कैंसर मूल्यांकन को नियमित अभ्यास में शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। इस सीएमई ने बहुविषयक सहयोग के महत्व और क्षेत्रभर में कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने हेतु निरंतर चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया।आरजीसीआईआरसी ने मुरादाबाद के चिकित्सा समुदाय की उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया और देशभर के चिकित्सकों को निरंतर शैक्षणिक पहलों के माध्यम से समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संवाद को प्रोत्साहित कर और अद्यतन ज्ञान से चिकित्सकों को सशक्त बनाकर, आरजीसीआईआरसी नैतिकता, सहानुभूति और उत्कृष्टता के साथ कैंसर देखभाल को सुदृढ़ करने के अपने मिशन पर निरंतर कार्य कर रहा है।

पहला सत्र, ÷कैंसर में जेनेटिक्स-हर चिकित्सक को क्या जानना चाहिए÷, डॉ. कपिल गोयल द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने जेनेटिक म्यूटेशन, वंशानुगत कैंसर सिंड्रोम और मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो निदान की सटीकता बढ़ाने और उपचार को व्यक्ति-केंद्रित बनाने में सहायक है। प्राथमिक चिकित्सकों में जागरूकता की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा, ÷ऑन्कोलॉजी में जेनेटिक्स अब वैकल्पिक उपकरण नहीं रहा; यह जोखिम पहचान, उपचार चयन और रोग की निगरानी के केंद्र में आ रहा है।

लखनऊ व कानपुर से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 24 अंक : 26 | लखनऊ, गुरुवार 04 अगस्त 2022 | नगर संस्करण | पृष्ठ 12 | मूल्य : 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

www.rashtriyaswaroop.in

आरजीसीआईआरसी व प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने कैंसर निदान के लिए किया सहयोग

मुरादाबाद। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सहयोग से मुरादाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए, जहाँ कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श हुआ। सीएमई में दो अत्यंत प्रासंगिक सत्र शामिल थे: कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका, तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। ये सत्र आरजीसीआईआरसी नीति बाग के कंसल्टेंट (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी, रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवा आबादी में, को देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वास्तविक-जीवन की चुनौतियों और जेनेटिक्स तथा त्वरित स्तन कैंसर मूल्यांकन को नियमित अभ्यास में शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा

की। पहला सत्र, 'कैंसर में जेनेटिक्स-हर चिकित्सक को क्या जानना चाहिए, डॉ. कपिल गोयल द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने जेनेटिक म्यूटेशन, वंशानुगत कैंसर सिंड्रोम और मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग की भूमिका पर प्रकाश डाला, जो निदान की सटीकता बढ़ाने और उपचार को व्यक्ति-केंद्रित बनाने में सहायक है। प्राथमिक चिकित्सकों में जागरूकता की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा ऑन्कोलॉजी में जेनेटिक्स अब वैकल्पिक उपकरण नहीं रहा; यह जोखिम पहचान, उपचार चयन और रोग की निगरानी के केंद्र में आ रहा है। जब चिकित्सक प्रारंभिक संकेतों को पहचानकर समय पर जेनेटिक मूल्यांकन के लिए रेफर करते हैं, तो इससे उपचार की दिशा और दीर्घकालिक परिणाम पूरी तरह बदल सकते हैं। दूसरा सत्र अंतर को पाटना: स्तन कैंसर के निदान की गति बढ़ाना ', डॉ. गरिमा डागा द्वारा लिया गया। उन्होंने स्तन कैंसर के निदान में आम तौर पर होने वाली देरी पर चर्चा की और बताया कि समय पर क्लिनिकल संदेह, त्वरित इमेजिंग और शीघ्र बायोप्सी से जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार होता है। उन्होंने कहा भारत में कई महिलाएँ देर से हमारे पास पहुँचती हैं, क्योंकि निदान में देरी हो जाती है। क्लिनिकल जांच से लेकर इमेजिंग और बायोप्सी तक की प्रक्रिया को तेज़ करना सबसे प्रभावी कदमों में से एक है। प्रारंभिक निदान न केवल जीवन बचाता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता भी सुरक्षित रखता है।'

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

स्तन कैंसर के शीघ्र निदान पर सीएमई के लिए किया सहयोग

प्रयागराज। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद उत्तर प्रदेश के सहयोग से मुरादाबाद में ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन सीएमई कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र भर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए। जहां कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान प्रदान पर विचार विमर्श हुआ। सीएमई में दो अत्यंत प्रासंगिक सत्र शामिल थे। कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। यह सत्र आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजी डॉ कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी, रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डॉ गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवा आबादी में को देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वास्तविक जीवन की चुनौतियों और जेनेटिक्स तथा त्वरित स्तन कैंसर मूल्यांकन को नियमित अभ्यास में शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। सीएमई ने बहुविषयक सहयोग के महत्व और क्षेत्रभर में कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने हेतु निरंतर चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया।

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

आरजीसीआईआरसी और प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद ने कैंसर जेनेटिक्स और स्तन कैंसर के शीघ्र निदान पर सीएमई के लिए किया सहयोग

मुरादाबाद। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के सहयोग से शुक्रवार को मुरादाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए, जहाँ कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श हुआ।सीएमई में दो अत्यंत प्रासंगिक सत्र शामिल थे- कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका, तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। ये सत्र आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के कंसल्टेंट (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी, रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवा आबादी में, को देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वास्तविक-जीवन की चुनौतियों और जेनेटिक्स तथा त्वरित स्तन कैंसर मूल्यांकन को नियमित अभ्यास में शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। इस सीएमई ने बहुविषयक सहयोग के महत्व और क्षेत्रभर में कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने हेतु निरंतर चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया।आरजीसीआईआरसी ने मुरादाबाद के चिकित्सा समुदाय की उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया और देशभर के चिकित्सकों को निरंतर शैक्षणिक पहलों के माध्यम से समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संवाद को प्रोत्साहित कर और अद्यतन ज्ञान से चिकित्सकों को सशक्त बनाकर, आरजीसीआईआरसी नैतिकता, सहानुभूति और उत्कृष्टता के साथ कैंसर देखभाल को सुदृढ़ करने के अपने मिशन पर निरंतर कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ■ लखनऊ व झांसी से प्रकाशित ■ www.spashtawaz.com
स्पष्ट आवाज़

कैंसर जेनेटिक्स और स्तन कैंसर के लिये सीएमई में सहयोग

मुरादाबाद। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने प्राइवेट डॉक्टर्स एसो मुरादाबाद के सहयोग से मुरादाबाद में ऑन्कोलॉजी कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रभर से चिकित्सक, सर्जन और स्वास्थ्य पेशेवर एकत्र हुए, जहाँ कैंसर देखभाल से जुड़ी वैज्ञानिक चर्चा, क्लिनिकल अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचार-विमर्ष हुआ। सीएमई में दो प्रासंगिक सत्र शामिल थे। कैंसर के निदान और उपचार में जेनेटिक मूल्यांकन की बढ़ती भूमिका तथा भारत में स्तन कैंसर के शीघ्र निदान की तात्कालिक आवश्यकता। ये सत्र आरजीसीआईआरसी नीति बाग के कंसल्टेंट (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. कपिल गोयल और आरजीसीआईआरसी, रोहिणी की सीनियर कंसल्टेंट (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) डॉ. गरिमा डागा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कैंसर की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर युवाओं देखते हुए कार्यक्रम का उद्देश्य प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल मार्गों की क्लिनिकल समझ को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने वास्तविक-जीवन की चुनौतियों और जेनेटिक्स तथा त्वरित स्तन कैंसर मूल्यांकन को नियमित अभ्यास में शामिल करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। इस सीएमई ने बहुविषयक सहयोग के महत्व और क्षेत्रभर में कैंसर परिणामों को बेहतर बनाने हेतु निरंतर चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता को रेखांकित किया।

प्रकाशन का 75वां वर्ष
लखनऊ और कानपुर से प्रकाशित
स्वतंत्र भारत
swatantrabharat.net

कैंसर के शीघ्र निदान पर विशेषज्ञों ने रखे विचार

आरजीसीआईआरसी-(राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) और प्राइवेट डॉक्टर्स एसोसिएशन, मुरादाबाद के सहयोग से आयोजित सीएमई में डॉ. कपिल गोयल (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) और डॉ. गरिमा डागा (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) ने कैंसर जेनेटिक्स व स्तन कैंसर के शीघ्र निदान पर महत्वपूर्ण सत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के चिकित्सकों ने सक्रिय सहभागिता कर प्रारंभिक पहचान, जोखिम आकलन और समय पर रेफरल की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।